आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बृहस्पतिवार 07.08.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तरकाशी जिले के धराली और हर्षिल में आज तीसरे दिन सुबह से ही राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं।
- रुद्रप्रयाग में केदारनाथ, मद्महेश्वर और तुंगनाथ यात्रा को अगले दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है
- नंदादेवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से फूलों की घाटी को पर्यटको की आवाजाही के लिए अग्रिम आदेशों तक बंद कर दिया है।
- हरिद्वार जिला प्रशासन उद्योगिग इकाईयों, फार्मों और संस्थाओं के तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने की योजना तैयार कर रहा है।

राहत और बचाव अभियान

उत्तरकाशी जिले के धराली और हर्षिल में बादल फटने व बाढ़ के बाद आज तीसरे दिन सुबह से ही राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद उत्तरकाशी में मौजूद हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी और स्थानीय प्रशासन मिलकर पूरी तत्परता से राहत अभियान चला रहे हैं।

रेस्क्यू कार्यों में यूकाडा के हेलीकॉप्टर अहम भूमिका निभा रहे हैं। मौसम की चुनौतियों के बावजूद हेलीकॉप्टर ने सात बार उड़ान भरी। इनमें से पहली उड़ान में मुख्यमंत्री आपदा प्रभावित स्थल पर पहुंचे, जबकि अन्य उड़ानों से एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। अब तक 22 से अधिक जवानों और अधिकारियों को घटनास्थल तक पहुंचाया जा चुका है। एनडीआरएफ के 28 जवान दो सेटेलाइट फोन के साथ वहां तैनात हैं। सेना के घायल जवानों और तीन नागरिकों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया है।

राजपूताना राइफल्स के 150 जवान, 100 आईटीबीपी कर्मी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें राहत कार्य में लगी हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर उपचार कर रही हैं। देहरादून, कोरोनेशन और एम्स ऋषिकेश में आईसीयू व जनरल बेड आरक्षित हैं। एसडीआरएफ के पुलिस महानिरीक्षक अरुण मोहन जोशी ने बताया कि रेस्क्यू अभियान में जुटी सभी एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

धराली में आई विनाशकारी आपदा में अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 50 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। सेना के 11 जवान भी लापता हैं। सड़क मार्ग बाधित होने से राहत दलों की आवाजाही प्रभावित हुई है, लेकिन मार्ग खोलने के प्रयास तेज हैं।

प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि हर प्रभावित व्यक्ति तक राहत पहुंचाना और सामान्य स्थिति बहाल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनजीवन प्रभावित

इस बीच, उत्तराखंड के अन्य क्षेत्रों में भी हालिया बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पहाड़ से मैदान तक हो रही बारिश के कारण नदियों के जलस्तर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पौड़ी गढ़वाल, चमोली, हरिद्वार और रुद्रप्रयाग समेत कई जिलों में बारिश और भूस्खलन से सड़कों को नुकसान पहुंचा है, जबकि कुछ स्थानों पर जानमाल की हानि भी हुई है।

फूलों की घाटी

चमोली जिले में जारी भारी बारिश की चेतावनी के बाद नंदादेवी राष्ट्रीय पार्क प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से फूलों की घाटी को पर्यटको की आवाजाही के लिए अग्रिम आदेशों तक बंद कर दिया है। नंदादेवी राष्ट्रीय पार्क ज्योतिर्मठ के उप वन संरक्षक तरूण एस ने एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि मौसम विज्ञान की ओर से चमोली जिले में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। इसको देखते हुए पर्यटकों की सुरक्षा लिहाज से अग्रिम आदेशों तक फूलों की घाटी को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है।

निर्यात

हरिद्वार जिला प्रशासन उद्योगिग इकाईयों, फार्मों और संस्थाओं के तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने की योजना तैयार कर रहा है। इसका उद्देश्य गुणवत्ता के साथ उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाना है। जिला निर्यात समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने उत्पादों व प्रोडक्टों का सही डाटा एक माह में कलेक्ट करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डाटा संग्रहण से उत्पादों को समूह में बांटकर उनका प्रचार–प्रसार किया जा सकता है। उन्होंने उत्पादों के प्रोत्साहन व उचित निर्यात के लिए सटीक कार्य योजना तैयार करने के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। इस दौरान क्राफ्ट, आयुष, फूड सेक्टर, उद्यान, कृषि, डेयरी आदि में निर्यात की संभावना पर चर्चा की गई। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जो भी प्रोडक्शन हो रहा है, उसके लिए ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाए।

रुद्रप्रयाग

आजादी के अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान के तहत सैनिक रक्षा बंधन कार्यक्रम में स्वंय सहायता समूह की महिलाओं ने सेना व पुलिस के जवानों की कलाई पर रुद्राक्ष व पिरूल से तैयार राखियां बांधी और स्थानीय उत्पादों से तैयार मिठाईयां खिलाई।

रुद्रप्रयाग के विकास भवन में सैनिक रक्षा बंधन उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने स्टॉल में न सिर्फ रुद्राक्ष व पिरूल की राखियां बल्कि स्थानीय उत्पादों से तैयार की गई मिठाईयां भी सजाई। कार्यक्रम में हरियाली स्वायत्त सहकारी समिति रतूड़ा, जै रुद्रनाथ स्वायत्त सहकारी समिति जवाड़ी, प्रगति स्वायत्त सहकारी समिति चंद्रापुरी की महिलाओं ने ब्रह्मकुमारी आश्रम की बहनों के साथ मिलकर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर जिले के अधिकारियों का भी रक्षा बंधन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि वीर सैनिक और पुलिस के जवान हमारी सीमा व आंतरिक सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पावन पर्व भाई–बहिन के पवित्र रिश्ते के साथ देशभक्ति और सेवा भाव की प्रेरणा देता है।

सम्मान

उत्तराखंड के महाभारत कालीन चक्रव्यूह, कमलव्यूह, मकरव्यूह, विंदूव्यूह, गैंडा–कौथिग और लुप्तप्राय हो रहे महानाटकों के मंचन के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ ने आचार्य कृष्णानंद नौटियाल को विद्या वाचस्पति की उपाधि से सम्मानित किया है।

गौरतलब हो कि आचार्य नौटियाल गत दो दशकों से उत्तराखंड के लोकपर्व व मेलों में आयोजित होने वाली पुरानी परंपराओं पर कार्य कर रहे हैं। वे मंडाण सांस्कृतिक ग्रुप केदारघाटी के संस्थापक भी है। वाचस्पति सम्मान मिलने पर आचार्य नौटियाल ने कहा कि उत्तराखंड आज भी महाभारत काल की घटनाओं को जागर व अन्य विधाओं में संजोए हुए हैं और पीढ़ियों तक इसे पहुंचाने के लिए अब विशेष प्रयास की जरूरत है। आचार्य नौटियाल की इस उपलब्धि पर केदारनाथ विधानसभा की विधायक विधायक आशा नौटियाल, रुद्रप्रयाग के विधायक भरत सिंह चौधरी समेत अन्य ने उन्हें शुभकामनाएं दी।